CIA-02

December - Examination 2018

Certificate in Ayurveda Examination

चिकित्सा विज्ञान एवं पंचकर्म

Paper - CIA-02

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **$10 \times 2 = 20$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) षड्विध क्रियाकाल के नाम लिखिये।

(ii) पंचनिदानों के नाम लिखिये।

(iii) वैद्य के चार गुण लिखिये।

(iv) पंचकर्मों के नाम लिखिये।

(v) अनुवासन वस्ति भोजन से पूर्व या पश्चात कब लगाते हैं?

(vi) रक्तमोक्षण विधि में कौनसे जीव का उपयोग किया जाता है?

(vii) शरीर शोधन की प्रक्रिया का नाम क्या है?

(viii) मनुष्य वीर्यवान, मैथुनकार्य में सक्षम, किस चिकित्सा द्वारा बनाया जा सकता है?

(ix) च्यवनप्राश का प्रमुख घटक द्रव्य कौनसा है?

(x) रसायन चिकित्सा की परिभाषा लिखिये।

खण्ड – ब **$4 \times 10 = 40$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

2) व्याधि की परिभाषा एवं पर्याय लिखिये।

3) पंचनिदान का परिचय दीजिये।

4) अष्टविध परीक्षा का वर्णन कीजिये।

5) आहार के पाचन की विधि लिखये।

6) त्रिविध चिकित्सा का वर्णन कीजिये।

7) लंघन चिकित्सा का वर्णन कीजिये।

8) शोधन एवं शमन चिकित्सा का परिचय दीजिये।

9) शिरोविरेचन कर्म का उल्लेख कीजिये।

खण्ड – स **$2 \times 20 = 40$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

10) वमन कर्म की विधि एवं लाभ लिखिये।

11) बस्ति कर्म की विधि एवं लाभ लिखिये।

12) आहार एवं वैरोधिक आहार को स्पष्ट कीजिये।

13) रक्तमोक्षण कर्म में जलौका विधि का वर्णन कीजिये।